सांध्य दैनिक 4PM

आप आने वाले कल की जिम्मेदारियों से भागने के चक्कर में आज से मुंह नहीं मोड़ सकते। – अब्राहम लिंकन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 9 • अंक: 349 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, बुधवार, 31 जनवरी, 2024

मुशीर के दम पर अंडर-19 टीम... 7 | यूपी में चढ़ेगा अब लोस चुनाव... 3 | चंडीगढ़ में दिनदहाड़े हुई... 2

राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ सत्र शुरू

विपक्ष ने सरकार को बताया तानाशाह

» बजट सत्र में मोदी सरकार को घेरने की तैयारी

» दस साल की उपलब्धियों पर लेंगे जवाब

» कल पेश किया जाएगा केंद्रीय बजट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र बुधवार से प्रारंभ हो रहा है।। कल (1 फरवरी) देश का बजट पेश किया जाएगा। मोदी सरकार के कार्यकाल का यह आखिरी बजट है। संसद का यह सत्र 10 दिनों का होगा जो नौ फरवरी तक चलेगा। इसमें कुल आठ बैठकें प्रस्तावित हैं। यह सत्र 10 दिनों का होगा जो नौ फरवरी तक चलेगा। इसमें कुल आठ बैठकें प्रस्तावित हैं। एक फरवरी को सरकार अपना अंतरिम बजट पेश करेगी। चुनाव के बाद नई सरकार पूर्ण बजट पेश करेगी। राष्ट्रपति के अभिषाण पर 2 फरवरी को चर्चा होगी। उधर विपक्ष भी सरकार को घेरने को तैयारा है।

वहीं कैबिनेट मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि बजट सत्र के लिए, सरकार का कोई विधायी एजेंडा नहीं है और उसका जोर राष्ट्रपति के अभिभाषण, धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा, अंतरिम बजट की प्रस्तुति एवं जम्मू-कश्मीर के बजट पर होगा।

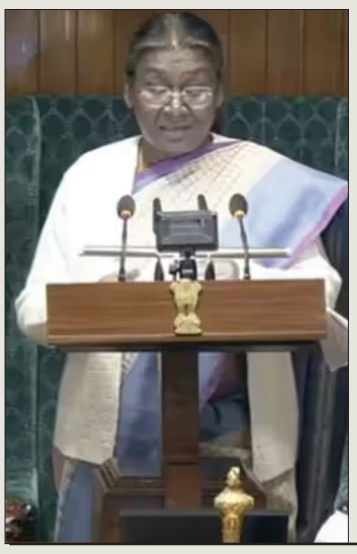

एक भारत, श्रेष्ठ भारत की खुशबू : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि नए संसद भवन में यह मेरा पहला संबोधन है। यह भव्य भवन अमृत काल के प्रारंभ में बनाया गया है। इसमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत की खुशबू है...इसमें भी है। लोकतांत्रिक और संसदीय परंपराओं के सम्मान का संकल्प। इसके अलावा, 21वीं सदी के नए भारत की नई परंपराओं के निर्माण का भी संकल्प है। मुझे विश्वास है कि इस नए भवन में नीतियों पर सार्थक बातचीत होगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा,आतंकवाद हो या विस्तारवाद, हमारी सेनाएं आज जैसे को तैसा की नीति के साथ जवाब दे रही हैं। जम्मू कश्मीर में आज सुरक्षा का वातावरण है। आज वहां हड़ताल का सन्नाटा नहीं, भीड़भाड़ बाजार की चहल-पहल है। नॉर्थ-ईस्ट में अलगाववाद की घटनाओं में भारी कमी आई है। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि वैश्विक संकटों के बावजूद मेरी सरकार ने देश में महंगाई को काबू में रखा, सामान्य भारतीय का बोझ नहीं बढ़ने दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हम सभी बचपन से गरीबी हटाओ के नारे सुनते आ रहे हैं लेकिन अब हम बड़े पैमाने पर गरीबी को दूर होते देख रहे हैं। नीति आयोग के अनुसार मेरी सरकार के एक दशक के कार्यकाल में लगभग 25 करोड़ देशवासी गरीबी से बाहर निकले हैं।

कुछ लोग आदतन हुड़दंग करते हैं : मोदी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने संसद में हंगामा करने वाले विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग आदतन हुड़दंग करते हैं। ऐसे बर्ताव से लोकतंत्र का चीरहरण होता है। उन्होंने सांसदों से चुनाव से पहले आहूत संसद सत्र में सार्थक चर्चा की अपील करते हुए कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी के बजट भाषण में सरकार की मजबूत आर्थिक नीतियों की तस्वीर पेश करेंगी। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण से सरकार का मार्गदर्शन होने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, वर्ष 2024 का राम-राम। साथियों इस नए संसद भवन में जो पहला सत्र हुआ था, उसके आखिर में एक बहुत ही गरिमापूर्ण फैसला लिया था। और वह फैसला था नारीशक्ति वंदन अधिनियम और उसके बाद 26 जनवरी को भी हमने देखा कि किस प्रकार से देश ने कर्तव्यपथ पर नारी शक्ति के सामर्थ्य को, नारी शक्ति के शौर्य को, नारी शक्ति के संकल्प की शक्ति को अनुभव किया गया।

महंगाई के साथ ग्रोथ की बात होनी चाहिए : कार्ति चिदंबरम

संसद के बजट सत्र से पहले कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने कहा, महंगाई के साथ ग्रोथ की बात होनी चाहिए। ये कोई बजट नहीं है। यह 18वीं लोकसभा के बाद नई सरकार बनने तक सरकार को काम करने देने के लिए केवल एक लेखानुदान है। इससे पहले राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का बैठक में प्रतिनिधित्व कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने किया। उन्होंने इस दौरान असम में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पर 'हिंसक हमले' और उस पर राज्य सरकार की लगाई गई पाबंदियों का मुद्दा उठाया। कांग्रेस ने कहा कि असम सरकार राहुल गांधी की यात्रा पर हिंसक हमले करवा रही है। इस सरकार को लगभग 10 साल तो बीत गए। किसान की आय को दोगुना करना तो दूर, लागत निकाल पाना मुश्किल है। इसी तरह से जैसे विरोधियों पर ईडी, सीबीआई और आईटी की रेड हो रही है वो शर्मनाक और लोकतंत्र के खिलाफ है।

निलंबित सांसदों का सस्पेंशन रद्द होगा

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि इस सत्र से पहले सभी निलंबित सांसदों का सस्पेंशन रद्द कर दिया जाएगा। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मैंने लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा के सभापति से इस बारे में बात की। उनसे सांसदों का सस्पेंशन रद्द करने की अपील की है।

ईडी के सामने हेमंत की पेशी, सीएम आवास के बाहर चाक-चौबंद सुरक्षा

» पिता शिबू सोरेन से मिलकर लिया आशीर्वाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर धनशोधन मामले में गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। बुधवार को वह ईडी के सामने पेश होंगे। ईडी दफ्तर जाने से पहले उन्होंने अपने पिता का आर्शीवाद लिया। उधर रांची में धारा 144 लगा दी गई है। ऐसा माना जा रहा है कि वह जांच एजेंसी के सभी सवालों के जवाब देने को तैयार हैं। इससे पहले उनके गायब होने की खबरें विपक्ष भाजपा द्वारा फैला दिया गया था, पर बाद में वह रांची पहुंचे और अपने विधायकों की बैठक की। इससे पहले मंगलवार को उन्होंने झामुमो और सत्तारूढ़ गठबंधन के दलों के विधायकों की बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी शामिल हुईं। कयास है कि हेमंत अपनी जगह पत्नी को मुख्यमंत्री पद सौंप सकते हैं। ऐसे में बुधवार को ईडी के सामने पेशी के दौरान झारखंड में राजनीतिक हलचल तेज रहने का अनुमान है। झामुमो के नेता मनोज पांडे ने कहा, मुख्यमंत्री ने पहले भी प्रश्नों के उत्तर दिए थे, आज भी देंगे।

सीएम आवास, ईडी दफ्तर व राजभवन के पास निषेधाज्ञा

राजधानी रांची में सुबह नौ से दस बजे तक धारा 144 लागू रहेगी। जिला प्रशासन ने यह फैसला लिया है। मुख्यमंत्री आवास, ईडी दफ्तर और राजभवन के आस-पास धारा 144 रहेगी। सोरेन के खिलाफ ईडी की कार्रवाई के बीच रांची में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने बताया, सीएम आवास, राजभवन और ईडी दफ्तर के 100 मीटर के दायरे में सुबह 10 से रात 10 बजे के बीच निषेधाज्ञा लागू की गई है।

प्रशांत कुमार यूपी के नए कार्यवाहक डीजीपी बने, अखिलेश ने कसा तंज

» स्पेशल डीजी के पद से प्रोन्नत

» आज डीजीपी विजय कुमार और डीजी मानवाधिकार एसके माथुर हो जाएंगे सेवानिवृत्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आईपीएस प्रशांत कुमार को यूपी का नया कार्यवाहक डीजीपी बनाया गया है। वह अभी तक स्पेशल डीजी के पद पर कार्यरत थे। वर्तमान कार्यवाहक डीजीपी विजय कुमार 31 जनवरी 2024 को रिटायर हो रहे हैं। कार्यवाहक के तौर पर आईपीएस प्रशांत कुमार की नियुक्ति के बाद लगातार चौथी बार यूपी में कार्यवाहक डीजीपी की नियुक्ति हुई है।

डीजीपी पद के लिए आईपीएस प्रशांत कुमार के अलावा, डीजी सीबीसीआईडी आनंद कुमार, डीजी कारागार एसएन साबत, डीजी भर्ती बोर्ड रेणुका मिश्रा भी दावेदार थे। बता दें कि इससे पहले डीएस चौहान, आरके विश्वकर्मा और विजय कुमार को लगातार कार्यवाहक डीजीपी बनाया जा चुका है। बीते 21 माह से प्रदेश पुलिस को कार्यवाहक डीजीपी से काम चलाना पड़ रहा है। 31 जनवरी को डीजीपी विजय कुमार और डीजी मानवाधिकार एसके माथुर सेवानिवृत्त हो जाएंगे। विजय कुमार विजिलेंस के डीजी भी हैं, लिहाजा उनके सेवानिवृत्त होने के बाद विजिलेंस को भी नया मुखिया मिलेगा। वहीं एडीजी कानून-व्यवस्था के पद पर भी नये अफसर की तैनाती होनी है। चुनाव आयोग के निर्देश के मुताबिक तीन वर्ष से एक ही स्थान पर तैनात अधिकारियों को हटाया जाना है, जिसकी वजह से शीर्ष पदों पर तैनात कई आईपीएस अधिकारियों का तबादला होना तय माना जा रहा है।

अखिलेश यादव ने उठाए सवाल

यूपी में डीजीपी की नियुक्ति को लेकर अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा कि लगता है एक बार फिर उप्र को कार्यवाहक डीजीपी मिलनेवाला है। जनता पूछ रही है कि हर बार कार्यवाहक डीजीपी बनाने का खेल दिल्ली-लखनऊ के झगड़े की वजह से हो रहा है या फिर अपराधियों के संग सत्ता की साँठगाँठ के कारण।

चंडीगढ़ में दिनदहाड़े हुई बेईमानी

» केजरीवाल बोले- भाजपा लोस चुनाव में किसी भी हद तक जाएगी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में मेयर चुनाव में मंगलवार को बीजेपी के मनोज सोनकर ने आप के कुलदीप कुमार को हरा दिया। आप ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। कुल मिलाकर, आप- कांग्रेस गठबंधन को 35- मजबूत विधानसभा में भाजपा की तुलना में अधिक वोट मिले। चंडीगढ़ मेयर चुनाव मूल रूप से 18 जनवरी को निर्धारित थे। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भाजपा उम्मीदवार मनोज सोनकर की जीत को दिनदहाड़े धोखाधड़ी बताया।

घटनाक्रम पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा कि अगर भाजपा मेयर चुनावों में इतनी नीचे गिर सकती है तो वह लोकसभा चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि जिस तरह से चंडीगढ़ मेयर चुनाव में दिनदहाड़े धोखाधड़ी की गई है, वह बेहद चिंताजनक है। अगर मेयर के चुनाव में ये लोग इतना नीचे गिर सकते हैं, तो देश के चुनाव में किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह बेहद चिंताजनक है। , पीठासीन अधिकारी की बीमारी के कारण उन्हें अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि चुनाव 30 जनवरी को कराया जाए। बीजेपी प्रमुख जेपी नड्डा ने जीत के लिए पार्टी की पंजाब इकाई की सराहना की। मेयर चुनाव जीतने के लिए भाजपा चंडीगढ़ इकाई को बधाई। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्र शासित प्रदेशों ने रिकॉर्ड विकास देखा है।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामला कोर्ट पहुंचा

वहीं अब ये मामला हाई कोर्ट में पहुंच गया है, इस पर मान ने कहा कि लड़ाई अभी शुरू हुई है। इस पर जांच जरूर होनी चाहिए। नहीं तो आने वाले चुनाव में भी इसी तरह के नतीजे सामने आएंगे।

देश को उत्तर कोरिया बनाना चाहती है भाजपा : राघव

बेईमानी के आरोप तब सामने आए जब आप के राघव चड्ढा ने भाजपा पर गैरकानूनी रणनीति अपनाने का आरोप लगाया और देश के लिए उनके इरादों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव के दौरान हमने जो कुछ भी देखा वह न केवल असंवैधानिक है बल्कि देशद्रोह है। चंडीगढ़ मेयर चुनाव में हमने जो अवैधता देखी उसे देशद्रोह ही कहा जा सकता है। राघव चड्ढा ने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में पहली बार 36 में से 8 वोट अवैध घोषित किए गए। कांग्रेस और आप गठबंधन को 20 वोट मिलने थे। हमें 12 वोट मिले और 8 अवैध घोषित कर दिए गए। भाजपा का एक भी वोट अवैध घोषित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि मेयर चुनाव के लिए बीजेपी सभी गैरकानूनी हथकंडे अपना सकती है और लोकसभा चुनाव में अपनी हार देखकर क्या करेगी। क्या भाजपा इस देश को उत्तर कोरिया बनाना चाहती है? आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि पीठासीन अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए, उसने देशद्रोह किया है... हम शिकायत दर्ज करेंगे और न सिर्फ जांच बल्कि उसकी गिरफ्तारी की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि ये किसी एक गठबंधन, एक गठबंधन या एक पार्टी के लिए झटका नहीं है. यह भारत के लोकतंत्र के लिए एक झटका है... हम व्यथित और आहत हैं और हम चिंतित हैं कि आगामी 2024 के चुनावों में क्या होगा। यदि भाजपा इतने निम्न स्तर का सहारा ले सकती है और जालसाजी और अवैधता कर सकती है... तो भाजपा चुनाव प्रक्रिया में धांधली करने के लिए किसी भी स्तर तक जा सकती है।

यह लोकतंत्र की हत्या का दिन है : भगवंत मान

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने चंडीगढ़ में भाजपा की जीत होने पर आड़े हाथों लिया है। सीएम ने कहा कि चुनाव में आज लोकतंत्र की हत्या हुई है। चंडीगढ़ में मेयर चुना नहीं गया है बल्कि बिठाया गया है। पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह पर घोटाला करने का आरोप लगाया है। मान ने लाइव आकर अनिल मसीह की एक वीडियो दिखाकर खुलासा किया है कि पीठासीन ने सीक्रेट बैलेट पेपर के साथ छेड़छाड़ की है। सीएम मान ने कहा कि भाजपा ने चंडीगढ़ को लूट लिया है। वहीं उन्होंने 2024 में लोकसभा चुनाव को लेकर भी कहा है कि अगर ये ही हालात रहे तो आगे भी ऐसे ही घोटाले होते रहेंगे।

नेताओं से बात करके आगे की रणनीति बनेगी : अजय राय

» सपा के फैसले के बाद कांग्रेस में बढ़ी हलचल

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की ओर से लोकसभा उम्मीदवार उतारने से कांग्रेस में हलचल तेज हो गई है। प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की मौजूदगी में पार्टी कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई, जिसमें ज्यादातर नेताओं ने सपा के कदम की आलोचना की और ज्यादा से ज्यादा सीट पर पार्टी उम्मीदवार उतारने की वकालत की।

इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि शीर्ष नेतृत्व के निर्देश के बाद अगला कदम उठाया जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि यह तय हुआ था कि दोनों पार्टियों की ओर से उम्मीदवारों की नाम की सूची समन्वय समिति की बैठक में रखी जाएगी। इसके बाद घोषणा होगी। लेकिन समाजवादी पार्टी ने उम्मीदवारों की घोषणा कर एक तरफा चाल चली है। सूत्रों का कहना है कि बैठक में तय किया गया कि बुधवार को पूरी स्थिति से शीर्ष नेतृत्व को अवगत कराया जाएगा। वहां से मिले निर्देश के आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

मोदी तो जीत जाएंगे पर एनडीए हार जाएगी: राउत

बीजेपी गठबंधन 200 सीटें भी पार नहीं कर पाएगा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। राज्यसभा सांसद और शिव सेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा,कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो स्थानों से चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे, लेकिन उनकी भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन 200 सीटें भी पार नहीं कर पाएगा। मुंबई में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए संजय राउत ने कहा कि एजेंसी के आतंकवाद का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को डराने के लिए किया जा रहा है। संजय राउत ने कहा कि आप (बीजेपी) इस बार 400 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएंगे, इतना कि 200 सीटें भी पार नहीं कर पाएंगे।

शिवसेना (यूबीटी) नेता ने आगे कहा,पीएम मोदी दो जगहों से चुनाव लड़ेंगे; वह जीतेंगे लेकिन उनकी पार्टी 2024 का चुनाव नहीं जीत पाएगी। यही कारण है कि विपक्षी नेताओं को डराने के लिए एजेंसी का इस्तेमाल किया जा रहा है। संजय राउत ने आगे कहा कि चाहे वह हेमंत सोरेन हों, लालू यादव हों, हमारी पार्टी के रवींद्र वायकर हों, पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर हों या मेरे भाई संदीप राउत हों, सभी को डराया जा रहा है। हम किसी एजेंसी से नहीं डरते। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ हो रही ईडी की कार्रवाई पर संजय राउत ने कहा,मैं हेमंत सोरेन को अच्छी तरह से जानता हूं। वह भागने वालों में से नहीं हैं। वह लड़ेंगे। 2024 में उनकी (भाजपा) हार के बाद हमारी बारी आएगी, तब हम भी देखेंगे।

इंडिया गठबंधन में रहने को तैयार टीएमसी : अभिषेक

कोलकाता। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर बयान जारी किया है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस ने किसी प्रकार की कोई घोषणा नहीं की है। अभिषेक बनर्जी ने कहा, टीएमसी इंडिया गठबंधन में रहने को तैयार है। हमने उन्हें (कांग्रेस) 31 दिसंबर 2023 तक स्पष्ट करने के लिए कहा था कि कौन किस सीट से चुनाव लड़ने वाला है। लेकिन उन्होंने कोई एलान नहीं किया। अगर वे सीटें घोषित नहीं करना चाहते हैं तो क्या इसके लिए उन्हें मजबूर किया जा सकता है?

पीडीए ही बीजेपी को हराएगा : अखिलेश

» सपा ने लोस चुनाव के लिए 16 प्रत्याशी उतारे, विपक्ष हैरान

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन की स्थिति साफ होने से पहले ही सपा ने टिकटों का एलान कर दिया है। सपा प्रमुख ने कहा है पीडीए ही यूपी में बीजेपी हराएगी। उधर सपा ने १६ प्रत्याशियों की सूची जारी कर सभी दलों को चौका दिया है। वहीं सपा ने जातीय समीकरण का भी ख्याल रखा है। खीरी में उत्कर्ष वर्मा को उतारकर यह संदेश भी दे दिया है कि टिकट की चाह में सपा छोड़कर कांग्रेस में जाने वालों के लिए किसी तरह की कोई गुंजाइश नहीं बची है। खीरी से सपा के पूर्व सांसद रवि वर्मा टिकट की उम्मीद में ही बेटी पूर्वी वर्मा के साथ कांग्रेस में गए थे।

पूर्वी वर्मा ने पिछला लोकसभा चुनाव सपा के टिकट पर लड़ा था, लेकिन हार गई थीं। कमोबेश सभी सीटों पर स्थानीय समीकरणों को देखते हुए प्रत्याशी उतारे गए हैं। पहली सूची में उन सीटों को शामिल किया गया है, जहां सपा के अंदरुनी आकलन में उसके पास मजबूत प्रत्याशी हैं। अक्षय यादव 2014 के लोकसभा चुनाव में फिरोजाबाद से विजयी हुए थे, लेकिन 2019 का चुनाव शिवपाल यादव के खड़े हो जाने के कारण वह हार गए थे। यादव-मुस्लिम समीकरण यहां से जीत का मुख्य आधार माना जाता है। संभल से सपा ने 94 साल के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क पर फिर दांव लगाया है। संभल में यादव और मुस्लिम समीकरण जिताऊ माना जाता है। वह पहली बार 1996 में सपा के टिकट पर जीतकर संसद पहुंचे थे। मजबूत जनाधार वाले नेता माने जाते हैं।

अखिलेश मोदी को पीएम बनाने में कर रहे मदद : ओपी राजभर

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने मंगलवार को एक बार फिर से सपा अध्यक्ष पर निशाना साधा है। नीतीश कुमार की एनडीए में वापसी पर तंज कसते हुए राजभर ने कहा कि विपक्ष भी केन्द्र में फिर से नरेन्द्र मोदी की सरकार बनाने में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार एनडीए में सरकर साथ दे रहे हैं तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी हटकर इसके लिए मदद कर रहे हैं। सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा अध्यक्ष भी विपक्षी गठबंधन से बाहर निकलकर भाजपा का सहयोग करना चाहते हैं। उन्होंने अखिलेश से यह सवाल भी किया कि सबसे सामने तो अखिलेश भाजपा के खिलाफ बयानबाजी करते हैं, लेकिन चुपके से फूल का गुलदस्ता लेकर भाजपा नेताओं के यहां क्यों जाते हैं? उन्होंने कहा कि अखिलेश अब सिर्फ सपने ही देखते रहेंगे और सपने में ही पीएम, सीएम बनते रहेंगे। उन्होंने कहा कि शिवपाल यादव बड़े और अनुभवी नेता हैं, लेकिन वह इस समय दुखी हैं।, क्योंकि पार्टी में उनकी सुनी नहीं जा रही है।

कांग्रेस बौखलाहट में दे रही आधारहीन बयान : भाजपा

» खरगे पर भड़के सुधांशु त्रिवेदी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी का कहना है कि कांग्रेस बौखलाहट में आधारहीन बयान दे रही है, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का बयान निंदनीय है, उत्तर से दक्षिण तक लोकसभा चुनाव में लोग परिवारवाद को नकार रहे हैं, भारत में वास्तविक तौर पर लोकसत्ता हावी हो चुकी है, दरअसल, मल्लिकार्जुन खरगे ने एक रैली के दौरान आशंका व्यक्त की कि 2024 का लोकसभा चुनाव लोगों के लिए लोकतंत्र को बचाने का आखिरी मौका होगा, क्योंकि अगर बीजेपी आगामी चुनाव जीतती है, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तानाशाही कर सकते हैं।

सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के एक-एक आरोप पर उन्हें आईना दिखाया। उन्होंने कहा, कि कांग्रेस के पहले प्रधानमंत्री जीरो वोट पाकर प्रधानमंत्री बने थे। सारे वोट सरदार पटेल को मिले थे, लेकिन प्रधानमंत्री, पंडित जवाहर लाल नेहरू बने थे, मनमोहन सिंह ने प्रणव मुखर्जी से कहा था कि मैडम ने मुझे प्रधानमंत्री बनने को कहा है, प्रधानमंत्री के तौर पर दो ही प्रधानमंत्री चुन कर आए हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

यूपी में चढ़ेगा अब लोस चुनाव का रंग

सीटों और प्रत्याशियों को लेकर सियासी दलों में माथापच्ची

» कांग्रेस, सपा व बसपा ने भी पूरी की तैयारी
» सबसे पहले प्रत्याशी घोषित करने में भाजपा को सपा ने पीछे छोड़ा
» दिग्गज नेताओं ने संभाला मोर्चा
» पश्चिमी यूपी में भाजपा को झोंकनी होगी ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में सरगर्मी बढ़ने लगी है। देश के सबसे बड़े सूबे पर सबकी नजर है। यहां सत्ता में बैठी बीजेपी के 80 की 80 सीटों पर नजर गड़ाए है। तो बसपा की मायावती ने अकेले ही चुनाव लड़ने की घोषणा करके गठबंधनों को मायूस कर दिया है। वहीं सपा ने कांग्रेस को 11 सीटें देने की बात करके माहौल का गरमा दिया है। हालांकि सपा ने अपने 12 प्रत्याशियों की सूची जारी करके भाजपा को पीछे छोड़ दिया। सबसे पुरानी पार्टी यूपी में लगभग 20 सीटों पर दावा कर रही है। उधर यह भी चर्चा हो रही है कांग्रेस के दिग्गज नेता यूपी में चुनाव नहीं लड़ेंगे। इन सब के बीच यह भी चर्चा आम हो गई है बीजेपी जल्द ही प्रत्याशियों के नाम पर माथापच्ची शुरू करने पर विचार कर रही है। प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के अलावा कई छोटे दल भी हाथ आजमाने को तैयार है। कुछ पार्टियां बीजेपी तो कुछ कांग्रेस, सपा व बसपा से गलबहियां करने को भी आतुर हैं।

इसी क्रम में मुरादाबाद मंडल में 2014 के प्रदर्शन को दोहराने के लिए भाजपा दूसरे दलों से पहले प्रत्याशी घोषित करने का दांव खेल सकती है। वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा ने अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा आखिर में की थी। वहीं 2014 के चुनाव में मंडल की सभी छह सीटें जीतने वाली भाजपा पिछले चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। 2019 का लोकसभा चुनाव सपा, बसपा और रालोद ने मिलकर लड़ा था। इसके बावजूद भाजपा गठबंधन को यूपी में 64 सीटों पर जीत मिली थी। 16 सीटों पर विपक्षी दल विजयी हुए थे। बसपा को दस, सपा को पांच और कांग्रेस को एक सीट मिली थी। प्रदेश में 64 सीटें जीतने वाली भाजपा मुरादाबाद मंडल की सभी छह सीटें हार गई थी। तीन सीटों पर सपा और तीन पर बसपा ने जीत दर्ज की थी। हालांकि रामपुर लोकसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा ने सपा को हराकर मंडल में अपना खाता खोल लिया है। वहीं 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में भी भाजपा का प्रदर्शन मंडल में बेहतर नहीं था। वहीं राज्यसभा की 56 सीटों पर 27 फरवरी को वोटिंग होगी। इस चुनाव से देश की राजनीति का माहौल पता चलेगा। इसी दिन नतीजे भी आएंगे। चुनाव के लिए आयोग 8 फरवरी को अधिसूचना जारी करेगा। नामांकन की आखिरी तारीख 15 फरवरी है। नामांकन पत्रों की जांच की तारीख 16 फरवरी है। उम्मीदवार 20 फरवरी तक नाम वापस ले सकेंगे। चुनाव आयोग ने राज्यसभा चुनाव का ऐलान ऐसे वक्त पर किया, जब पार्टियां लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं। ऐसे में राज्यसभा चुनाव को काफी अहम माना जा रहा है। इन 56 सीटों पर चुनाव के बाद संसद के उच्च सदन की सियासी तस्वीर बदल जाएगी। पश्चिमी यूपी के मुरादाबाद मंडल की 27 में से 17 सीटें भाजपा हार गई थी। 2024 के चुनाव में मंडल की सीटों पर जीत के लिए भाजपा हर दांव आजमाएगी। पहले से जारी होमवर्क केतहत मुरादाबाद के चौधरी भूपेंद्र सिंह को प्रदेश भाजपा की कमान सौंप जाटों से सीधा नाता जोड़ा हैं तो यादव बिरादरी को साधने के लिए भाजपा ने सुभाष यदुवंश को पश्चिमी यूपी का प्रभारी बनाया है। वहीं 23 दिसंबर को किसान दिवस पर बिलारी में आयोजित प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम और किसान सम्मेलन में शामिल होकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने किसानों को साधने की कोशिश की थी। इसके अलावा जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्षों को बदलने में जातिगत समीकरण को ध्यान में रखा गया है। दूसरी ओर विपक्षी दल अभी गठबंधन को लेकर तालमेल बैठाने में लगे हैं। लेकिन भाजपा प्रत्याशियों के चयन में लगी है। इस बीच पहले प्रत्याशी घोषित कर भाजपा विपक्षी दलों को चौंका सकती है।

हिमाचल से सोनिया व प्रियंका को राज्यसभा भेजे जाने की चर्चा

देश में 27 फरवरी को 15 राज्यों की 56 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं। हिमाचल प्रदेश की भी एक राज्यसभा सीट पर चुनाव होगा। हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा सीट भले ही एक हो, लेकिन यहां सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। हिमाचल प्रदेश की राज्यसभा सीट से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी को राज्यसभा भेजे जाने की चर्चा है। इस बारे में मीडिया के सवाल पर शिमला में हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि राज्यसभा चुनाव को लेकर सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी से चर्चा होगी। अगर वे चाहेंगे, तो उन्हें हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा भेजा जा सकता है। बता दें कि सोनिया गांधी मौजूदा वक्त में रायबरेली से सांसद हैं। प्रियंका गांधी अब तक संसद की सदस्य नहीं बनी हैं। उन्होंने अभी तक ना लोकसभा चुनाव लड़ा है और ना ही वे राज्यसभा के लिए नामित हुई हैं। इसी संदर्भ में फरवरी महीने में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का भी शिमला दौरा प्रस्तावित है।

सपा और कांग्रेस पर हमलावर होगा राजग

नीतीश की राजग में वापसी करके भाजपा ने सपा के पीडीए पर जहां हमला बोलने के लिए एक मुखर वक्ता खड़ा कर दिया है, वहीं इंडिया गठबंधन पर भी तीखे हमले करने वाले दिग्गज नेता का इंतजाम कर लिया है। नीतीश के साथियों में सबसे कद्दावर वक्ता केसी त्यागी ने जिस तरह नीतीश को इंडिया का संयोजक न बनने देने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा है, वह यह बताने के लिए पर्याप्त है कि चुनाव के दौरान भाजपा के बजाय नीतीश खेमे से ही कांग्रेस को पिछड़ा विरोधी साबित करने के लिए आरोपों की बौछार होगी।

शिमला में ही है प्रियंका गांधी का अपना घर

साल 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत में प्रियंका गांधी ने अहम भूमिका निभाई। प्रियंका गांधी ने फंटफुट पर कांग्रेस के लिए प्रचार किया। शिमला के छराबड़ा में ही प्रियंका गांधी का अपना घर भी है। ऐसे में उनके राज्यसभा जाने की चर्चा जोरों पर है। इसके अलावा कांग्रेस से बिप्लव ठाकुर और आनंद शर्मा का नाम भी बतौर राज्यसभा सांसद चर्चा में चल रहा है। दोनों ही नेता पहले भी राज्यसभा सांसद रह चुके हैं और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के बेहद करीबी हैं। हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा की कुल तीन सीट हैं। इनमें जगत प्रकाश नड्डा के अलावा इंदु गोस्वामी और प्रो. सिकंदर कुमार राज्यसभा सदस्य हैं। साल 2018 में जगत प्रकाश नड्डा राज्यसभा संसद के तौर पर चुने गए थे। तब प्रदेश में तत्कालीन मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली सरकार चल रही थी। अब कांग्रेस के पास 40 सीटों के साथ बहुमत है। इसके अलावा तीन अन्य निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन कांग्रेस के साथ है। 68 सीटों वाली हिमाचल विधानसभा में भाजपा के पास कुल 25 सीट हैं।

पिछले लोकसभा चुनाव में दो सांसदों का कटा था टिकट

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मंडल में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया था। सभी छह सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। 2019 के चुनाव में भाजपा ने अपने दो सांसदों का टिकट काट दिया था। इसमें रामपुर और संभल सीट शामिल थी। रामपुर से पूर्व सांसद एवं अभिनेत्री जयाप्रदा और संभल से पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी को उम्मीदवार बनाया था। रामपुर से डॉ. नैपाल सिंह और संभल से सत्यपाल सैनी सांसद रहे थे। बाकी चार सीटों पर सांसदों को ही दोबारा प्रत्याशी बनाया था। मुरादाबाद से सर्वेश सिंह, अमरोहा से तंवर सिंह कंवर, रामपुर से फिल्म अभिनेत्री एवं पूर्व सांसद जयाप्रदा, बिजनौर से राजा भारतेंद्र सिंह, नगीना से यशवंत सिंह, संभल से परमेश्वर लाल सैनी को चुनाव मैदान में उतारा था।

बिहार के सियासी रंग की बौछार यूपी पर भी

बिहार का राजनीतिक बदलाव यूपी की सियासत में भी असर दिखाएगा। विपक्ष की जहां मुश्किलें बढेंगी, वहीं ओबीसी में दूसरे नंबर की सबसे बड़ी आबादी कुर्मी वोट बैंक को रिझाने में भाजपा को आसानी हो सकती है, हालांकि यह भी समय बताएगा कि भाजपा के लिए नीतीश कितने फायदेमंद होंगे। लेकिन एक बात तो तय है कि विपक्ष की मुश्किलें अब बढ़ेंगी। यूपी में ओबीसी फैक्टर की बड़ी भूमिका होती है। इसलिए सभी दलों की नजर इसी वर्ग पर रहती है। प्रदेश में लगभग 25 करोड़ की आबादी में लगभग 54 प्रतिशत पिछड़ी जातियां हैं। इनमें मुस्लिम समाज के अंतर्गत आने वाली पिछड़ी जातियों की हिस्सेदारी लगभग 12 प्रतिशत मानी जाती है। अगर मुस्लिम समाज की पिछड़ी जातियों को पिछड़ी जातियों की कुल आबादी से हटा दिया जाए तो हिंदू आबादी में लगभग 42 प्रतिशत पिछड़ी जातियां आती हैं। इनमें सबसे अधिक 20 प्रतिशत यादव और दूसरे नंबर पर लगभग 9 प्रतिशत कुर्मी हैं। प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटों में दो दर्जन से अधिक सीटें ऐसी हैं, जिन पर कुर्मी मतदाताओं की संख्या चुनावी परिणामों को प्रभावित करती है।

पिछड़ों पर होगी सभी की नजर

प्रदेश में इस समय भाजपा और गठबंधन के 8 सांसद कुर्मी समाज से आते हैं। कुर्मियों को साधने के लिए भाजपा ने जहां प्रदेश में स्वतंत्र देव सिंह, आशीष सिंह पटेल, राकेश सचान, संजय गंगवार को मंत्रिमंडल में भागीदारी दे रखी है तो केंद्र में यूपी के महराजगंज से सांसद पंकज चौधरी और मिर्जापुर से सांसद व अपना दल की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल भी मंत्री हैं। इसके अलावा भी अन्य पिछड़ी जातियों को केंद्र से लेकर प्रदेश के मंत्रिमंडल में और भाजपा के संगठन में भागीदारी दी गई है। माना जा रहा है कि यूपी में कुर्मी वोट साधने के लिए नीतीश फैक्टर भले ही उतना कारगर साबित न हो, लेकिन विपक्ष की पीडीए की गणित को बिगाड़ने में नीतीश का नाम कारगर साबित होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

संविधान के प्रदत्त कानूनों का पाठ पढ़ाया जाए

भारत देश में कानून का राज स्थापित हुये बेशक कई दशक हो गए हों लेकिन आज भी देश के बहुत लोग अपने आप को कानून से बढ़कर समझते हैं, और तमाम तरह के अपराध करते हैं। आज जरूरत है भारत के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त कानूनों का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए। और उनका पालन करने के लिए जागरूक करना चाहिए, जिससे की समाज और देश में फैले अपराधों पर रोक लग सके। इसके साथ-साथ भारतीय संविधान द्वारा भारतीय नागरिकों को दिए गए मौलिक अधिकारों को जन-जन तक सरकार को पहुँचाना चाहिए। इन मौलिक अधिकारों को देश के आखिरी आदमी तक पहुँचाने के लिए सरकार के साथ-साथ भारतीय समाज की भी अहम भूमिका होनी चाहिए। तभी भारत देश रूढ़िवादी सोच से मुक्ति पा सकता है। गणतंत्र दिवस प्रसन्नता का दिवस है इस दिन सभी भारतीय नागरिकों को मिलकर अपने लोकतंत्र की उपलब्धियों का उत्सव मनाना चाहिए और एक शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण में स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए। क्योंकि भारत देश सदियों से अपने त्याग, बलिदान, भक्ति, शिष्टता, शालीनता, उदारता, ईमानदारी, और श्रमशीलता के लिए जाना जाता है। तभी सारी दुनिया ये जानती और मानती है कि भारत भूमि जैसी और कोई भूमि नहीं, आज भारत एक विविध, बहुभाषी, और बहु-जातीय समाज है। जिसका विश्व में एक अहम स्थान है। आज का दिन अपने वीर जवानों को भी नमन करने का दिन है जो कि हर तरह के हालातों में सीमा पर रहकर सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित महसूस कराते हैं। साथ-साथ उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करने का भी दिन हैं, जिन्होंने हमारे देश को आजाद कराने में अहम भूमिका निभाई। आज 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान और गणतंत्र के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहरानी चाहिए और देश के समक्ष आने वाली चुनौतियों का मिलकर सामूहिक रूप से सामना करने का प्रण लेना चाहिए। साथ-साथ देश में शिक्षा, समानता, सदभाव, पारदर्शिता को बढ़ावा देने का संकल्प लेना चाहिए। जिससे कि देश प्रगति के पथ पर और तेजी से आगे बढ़ सके।

“ भारत देश रूढ़िवादी सोच से मुक्ति पा सकता है। गणतंत्र दिवस प्रसन्नता का दिवस है इस दिन सभी भारतीय नागरिकों को मिलकर अपने लोकतंत्र की उपलब्धियों का उत्सव मनाना चाहिए और एक शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण में स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए। क्योंकि भारत देश सदियों से अपने त्याग, बलिदान, भक्ति, शिष्टता, शालीनता, उदारता, ईमानदारी, और श्रमशीलता के लिए जाना जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आज भी पूरा न हुआ आदर्श ग्राम का सपना

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

शुक्रवार, 24 सितंबर, 2021 वाशिंगटन, अमेरिका स्थित व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का कहना कि एक सप्ताह बाद विश्व महात्मा गांधी का जन्मदिन मनायेगा। उनका अहिंसा व सहिष्णुता के संदेश आज पहले से ज्यादा महत्व के हैं। शांति के प्रसार स्थापना के संदर्भ में गांधी राह की अंतर्राष्ट्रीय आवश्यकता तो है ही, यह तो इस कथन से सिद्ध हो गया है। किन्तु जहां तक भारत का संदर्भ है 2 अक्टूबर, 2019 से 2 अक्टूबर, 2020 के बीच बापू के 150वीं वर्षगांठ के सरकारी आयोजन खुद सरकारों के लिए भी औपचारिकता मात्र थी। आमजन तो उससे अछूता ही रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रत्युत्तर में प्रधानमंत्री मोदी ने पृथ्वी को ट्रस्ट मानते हुए बापू के ट्रस्टीशिप सिद्धांत का उल्लेख किया कि जंगलों, नदियों, पहाड़ों व खनिज दोहन में सरकारें व माफिया कितनी चोट पहुंचाते हैं।

आमजन को न्यायालयों का रुख करना पड़ता है। जीवन को दांव पर लगाना पड़ता है। दरअसल, गांधी का अनुपालन होने लगे तो राजनेताओं को वोट बैंक क्षरित होने के भी जोखिम हैं। राजनेता व सरकारें अपना हित प्रासंगिक गांधी को अप्रासंगिक ही रहने देने में या बनाने में देख रही हैं। महात्मा गांधी आज भी प्रासंगिक हैं और गांधी को अपनाना आज भी प्रासंगिक है- दोनों कथन एक नहीं हैं। उदाहरण लें, 150वीं वर्षगांठ राष्ट्रीय आयोजनों के दौरान अक्टूबर, 2019 से ही उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान व उ.प्र. में पंचायती राज प्रणाली में त्रिस्तरीय चुनाव होते ही रहे। कुछ अन्य राज्यों में भी पंचायती उपचुनाव हुए थे। उ.प्र. में तो 2021 में भी ये जारी रहे। इन राज्यों में बापू की ग्राम सुराज, ग्राम स्वराज व गांव गणतंत्र की परिकल्पना को साकार करने के लिए ईमानदारी से संभावनाएं तलाशी जा सकती थीं। गांधी पंचायतों को आदर्श आधारित गणतंत्र स्थापना के लिए माध्यम व पद्धति दोनों मानते थे। पंचायतों में सत्य, अहिंसा, समरसता व व्यक्ति की आजादी, छुआछूत विहीन समाज के सिद्धांतों का भी अनुपालन चाहते थे।

ऐसे वातावरण निर्माण के लिए गांधी के आदर्शों के अनुसार बिना राजनीतिक दल के उम्मीदवार बने चुनाव लड़ने की नैतिकता उम्मीदवारों में होनी थी। राजनीतिक दलों में भी

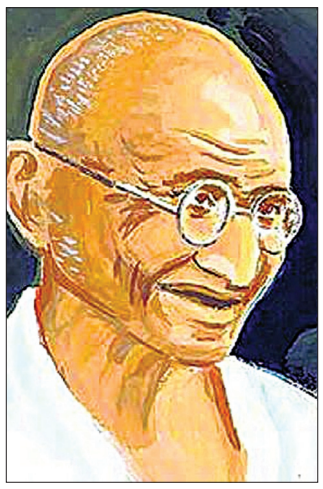

दलीय आधार पर पंचायतों में हस्तक्षेप न करने की जो नैतिकता होनी चाहिए थी, वही सबसे पहले तिरोहित हुई। बापू गांवों के पास राजनीतिक सत्ता चाहते थे। वे आत्मनिर्भर-आत्मनिर्णय कर सकने वाले गांव में आर्थिक प्रजातंत्र व आत्मनिर्भरता की इच्छा रखते थे। किन्तु आज ग्राम पंचायत स्तर के नियोजन में स्वतंत्रता की बात तो छोड़ दें, जिला पंचायत स्तर पर भी जिला प्रभारी मंत्री, जिला पंचायत योजना प्रस्तावों में कांटछांट करवा देते हैं। कारण यह भी है कि गांवों और ग्राम पंचायतों की आर्थिक संभावनाओं व आय को दयनीय बना दिया गया है। गांधी ग्राम स्वराज में व्यक्ति और ग्रामसभा दोनों को महत्वपूर्ण मानते थे। उनकी अपेक्षा थी कि गांव सभाओं में गांव का आमजन सक्रियता से भाग लेगा तथा वहीं गांव की प्राथमिकतायें व जरूरतें पहचानी जायेंगी। इसके विपरीत ग्रामीण जनसहभागिता का स्तर यह है कि गांव सभाओं व पंचायत समितियों में वैधानिक संख्या कम से कम रखने पर भी कोरम पूरा नहीं होता है। फलतः अपर्याप्त कोरम में ही प्रस्तावों पर कार्यवाहियों का अधिकार मिलता है। राज्य सरकारें पंचों व पंचायतों को उन सभी अधिकारों, विभाग, वित्तीय कार्य व कर्मचारी देने से भी कतराती हैं जिनकी वे संवैधानिक हकदार हैं। जबकि गांधी ग्राम पंचायतों में विधायिका, न्यायपालिका व प्रशासकीय इकाई का समवेत रूप देखना चाहते थे। गांवों की स्वायत्तता की बात तो यह है कि गांव सभाओं, ग्राम पंचायतों के न चाहने पर भी खानापूर्ति कर उन्हें पूरे देश में ही नगरों व महानगरों में मिलाया जा रहा है। गांवों की स्वायत्ता के लिए यह आवश्यक है कि गांव पंचायतों के पास अपने संसाधनों के साथ विकास का खाका व अधिकार हो। निस्संदेह, बापू अपने समय में भी किसी गलतफहमी में नहीं थे। वे भी मानते थे कि आदर्श ग्राम पंचायतें बनाना या उनके लिए अभियान चलाना आसान नहीं होगा।

एक गांव को ही आदर्श ग्राम पंचायत बनाने में पूरा जीवन भी खप सकता है। गांधी इस कार्य को दुष्कर इसलिए भी मान रहे होंगे कि उस समय आज से ज्यादा समाज में निर्बलों को डर सताता था। व्यक्ति के लिए गांवों के दबंगों के बीच या अपने साहूकारों के बीच अपना विचार रखना आसान न था। खुली ग्राम सभाओं में तो ऐसा करना और ही मुश्किल होता। चुने गये दलित व महिला पंचों, सरपंचों को उनके पूरे हक से काम करने का वातावरण बनाना ग्राम सुराज के लिए आवश्यक है। जैसे बापू कहते भी थे कि जब तुम्हारा मन इस दुविधा में हो कि कोई कार्य किया जाना चाहिए या नहीं तो ध्यान करो कि तुम्हारे उस काम से समाज के आखिरी आदमी पर क्या असर पड़ेगा।

आकर्षक पैकेज में रोगवर्धक प्रोसेस्ड फूड

देविंदर शर्मा

जब भी मैंने कृषि उपज के लिए गारंटीशुदा कीमत का सवाल उठाया, ट्रोल के एक वर्ग ने हमेशा मुझे यह कहते हुए घेर लिया कि उपभोक्ता को खराब गुणवत्ता वाले कृषि उत्पादों के लिए भुगतान क्यों करना चाहिए। बड़े पैमाने पर शहरी आबादी में किसानों के प्रति अंतर्निहित दुराग्रह के अलावा, शायद वे जिस मुद्दे को उठाने की कोशिश कर रहे हैं वह यह है कि सारी कृषि उपज समान गुणवत्ता वाली नहीं होती है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदे जाने के काबिल हों। दरअसल, वे यह नहीं जानते कि एमएसपी की डिलीवरी भी किसानों की उपज की गुणवत्ता पर आधारित है। उदाहरण के लिए, बेहतरीन चावल की कीमत सामान्य किस्मों की तुलना में अधिक है।

इसी तरह चीनी की हाई रिकवरी वाले गन्ने के लिए, चीनी मिलें तुलनात्मक रूप से अधिक रेट देती हैं। यहां तक कि ए-ग्रेड के अंडों की कीमत भी सामान्य ग्रेड वालों से अधिक है। इसके लिए अभी भी और अधिक किया जा सकता है, लेकिन कम से कम यह उतना मामूली नहीं है जितना शहरी शिक्षित लोग हमें विश्वास दिलाना चाहते हैं। फिर भी, जो लोग किसानों को सही कीमतों से वंचित करने के लिए बार-बार कृषि उपज की क्वालिटी की बात करते हैं, वे ही लोग हैं जिन्हें खराब गुणवत्ता के लिए भुगतान करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों द्वारा धोखा दिया जाता है। वास्तव में, वे निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद बहुत ज्यादा कीमत पर खरीदते हैं, जो प्राथमिक उत्पादक को उनके द्वारा भुगतान की गई कीमत से कई गुणा अधिक होता है। केवल इसलिए कि प्रोसेस्ड फूड आकर्षक पैकेज में आता है, शायद कोई फिल्म स्टार या क्रिकेटर उस उत्पाद का विज्ञापन भी करता है, इसका मतलब यह नहीं है कि उपभोक्ता जो खरीदता है वह गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरता है। यह वास्तव में बहुत बुरी बात है। औसत उपभोक्ता, जो स्वास्थ्यवर्द्धक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की तलाश में मॉल्स या सुपरमार्केट में जाता है, यह अनुभव करने में नाकाम रहता है कि प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स में से अधिकांश जो अलमारियों में लाइनों में सजा है - एक सुपर मार्केट स्टोर में लगभग 40,000 ऐसे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ हैं- वे अंतत: जो खरीदते हैं वह सेहत को नुकसान पहुंचाने वाला है।

अगर मुझे खराब क्वालिटी का कहने की अनुमति दी जाए तो यह अक्सर समाज में होने वाली अधिकांश बीमारियों की जड़ है। जैसा कि मैंने अक्सर कहा है कि यदि बतौर विक्रेता आप जहर को आकर्षक पैकेजिंग के साथ पेश करना जानते हैं तो संभावना है कि उपभोक्ता इसे खरीदने के लिए इच्छुक मिलें! एक आंखें खोलने वाला अध्ययन जो ओपन-एक्सेस ट्रांसडिसिप्लिनरी जर्नल, ग्लोबलाइजेशन एंड हेल्थ में 1 दिसंबर, 2023 को प्रकाशित हुआ, मैं चाहता हूं कि हर उपभोक्ता इसे पढ़े। उस अध्ययन के तहत लॉरेन एट अल ने यह पता लगाने के लिए एक पद्धति विकसित की है कि प्रसंस्कृत भोजन और पेय की बिक्री की कितनी मात्रा सेहत के लिए फायदेमंद की श्रेणी में आती है और कितनी अस्वास्थ्यकर की कैटेगरी में।

उन्होंने शीर्ष 20 वैश्विक खाद्य दिग्गज कंपनियों द्वारा निर्मित 1,294 ब्रांडों के 35,550 उत्पाद चुने। ये कंपनियां सात देशों- अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से ली गई थीं- और आम तौर पर कोई भी यह मानेगा कि इन देशों की बेचे जा रहे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर पैनी नजर होगी। साल 2022 में इन 20 बड़ी खाद्य कंपनियों की रिटेल सेल 7.7 अरब डॉलर से अधिक हो गई। मुझे यकीन है कि जो कुछ सामने आया उसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। लगभग 89 प्रतिशत बिक्री को अस्वास्थ्यकर श्रेणी में रखा गया। हैरानी होती है कि गुणवत्ता के प्रति जागरूक आबादी के उसी वर्ग का क्या होता है जिसकी एक किसान द्वारा अपनी उपज बेचने पर तो भौंहें तन जाती हैं, लेकिन खुशी-खुशी सुपर मार्केट से अस्वास्थ्यकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खरीद लेते हैं। शायद यह आकर्षक पैकेजिंग की चकाचौंध ही है जो उन्हें खरीदने के लिए धोखा देती है, उन्हें यह अहसास नहीं होता कि हर चमकती चीज सोना नहीं होती। अधिकतर अस्वास्थ्यकर बिक्री प्रोसेस किये गये खाद्य उत्पादों, शीतल पेय, कन्फैक्शनरी और स्नैक्स से संबंधित थी। उदाहरण के लिए मॉडलेज, मार्स और पेप्सिको की 5 प्रतिशत से भी कम बिक्री सेहत के लिए सही खाद्य पदार्थों की श्रेणी में आती है, जबकि रेड बुल और फ़रेरो की कोई भी बिक्री बिल्कुल भी स्वास्थ्यकर नहीं थी। अध्ययन के मुताबिक, तुलनात्मक रूप से बेहतर कार्य करने वाली कंपनियों में ग्रुपो बिंबो (42 फीसदी), डैनोन (34 फीसदी) और कोनैग्रा (32 फीसदी) शामिल थीं हालांकि उनकी सेल का भी अधिकतर हिस्सा अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों से लिया गया था।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार भारत में 74 प्रतिशत आबादी स्वास्थ्यवर्द्धक आहार का खर्च वहन करने में असमर्थ है, और यह भी माना जाता है कि जो लोग सेहतमंद आहार का खर्च उठा सकते हैं, वे स्वास्थ्यकर भोजन नहीं कर रहे हैं, ऐसे में मुझे आश्चर्य होता है कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) क्या कार्य करता है जब देश में बिकने वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता इतनी खराब है। इसका मतलब यह भी है कि एक परिवार जो अस्वास्थ्यकर भोजन खा रहा है वह असल में थाली तक पहुंचने वाले अस्वास्थ्यकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का परिणाम है।

अयोध्या जाएं तो इन जगहों की भी करें सैर

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या को भारत ही नहीं सम्पूर्ण विश्व में बसे हिंदुओं के लिए पवित्रतम तीर्थ माना जाता है। पुण्यदायिनी सरयू नदी की गोद में स्थित अयोध्या में कई ऐसे मंदिर हैं जो भक्तों को भगवान राम और उनके रामराज्य की अनुभूति कराते हैं। देश-विदेश से हिंदू राम मंदिर के दर्शन के लिए आना चाहते हैं। ऐसे में जो लोग अयोध्या में श्री राम लला के दर्शन के लिए आ रहे हैं, वह राम मंदिर के अलावा भी यहां कई पर्यटन स्थलों की सैर कर सकते हैं। राम मंदिर के अलावा भी अयोध्या में घूमने के लिए बहुत सारी जगहें हैं। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या की हर गली, हर घर में राललला के लिए लोरियां सुनाई देती हैं। करीब 8 हजार मठ-मंदिरों के इस शहर के हर मंदिर की की अपनी अलग मान्यताएं हैं, अपनी परंपराएं हैं। यकीनन जिले की कई ऐसी इमारतें हैं जो आज भी जीवंत हैं और उनका महत्व इतिहास के पन्नों में भी दर्ज है।

नागेश्वर नाथ मंदिर

अयोध्या में स्थित नागेश्वर नाथ मंदिर के दर्शन के लिए भी जा सकते हैं। यह मंदिर शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल थेरी बाजार के मध्य में स्थित है। नागेश्वर नाथ मंदिर की स्थापना भगवान राम के पुत्र कुश ने की थी। एक बार कुश को समझाने के लिए भगवान भोलेनाथ अयोध्या आए थे तभी जहां भोलेनाथ जी प्रकट हुए थे, वहीं पर कुश ने नागेश्वर नाथ मंदिर की स्थापना करा दी। जहां आज भी अयोध्या आने वाले श्रद्धालु मठ-मंदिर में दर्शन पूजन के साथ ही साथ यहां भी शिव को जल चढ़ाना नहीं भूलते। अब महाशिवरात्रि के दिन यहां भक्तों की भारी भीड़ लगती है।

कनक भवन

अयोध्या के इन्हीं मंदिरों में से एक है 'कनक भवन' जो स्वर्णमयी सुंदरता से परिपूर्ण है। इस मंदिर की विशेषता है कि इसकी संरचना जो एक विशाल महल की तरह है। कहा जाता है कि यह मंदिर एक महल ही था जिसे महाराज दशरथ ने अपनी पत्नी रानी कैकेयी के कहने पर देवताओं के शिल्पकार विश्वकर्मा जी से बनवाया था। रानी कैकेयी की इच्छा के बाद महाराज दशरथ ने एक सुंदर महल का निर्माण करवाया। जब माता सीता अयोध्या आईं तब रानी कैकेयी ने उन्हें यह महल मुंह दिखाई में दे दिया था।

गुलाब बाड़ी

नाम से ही स्पष्ट है कि यह गुलाबों और हरियाली से भरा बगीचा है। गुलाब बाड़ी वैदेही नगर में स्थित है। यह एक नेशनल हेरिटेज साइट है। इस स्थान पर अवध के तीसरे नवाब शुजा उद दौला, और उनके माता-पिता की कब्र है, जिसे 18वीं शताब्दी में बनवाया गया था। राम मंदिर के अलावा अयोध्या में गुलाब बाड़ी परिसर की खूबसूरती में यहां की बागवानी चार चांद लाती है। इमारत के चारों तरफ गुलाबों की बागवानी की गई है, जिसमें बेहद खूबसूरत अनेक प्रकार के गुलाब के पौधे लगाए गए हैं। इस बाग में लाल, गुलाबी, पीले, सफेद रंग के गुलाब खिलते हैं। जब यहां गुलाब के फूल खिलते हैं तो वह यहां आने वाले हर पर्यटक का दिल जीत लेते हैं।

तुलसी स्मारक भवन

शहर में ही गोस्वामी तुलसीदास की याद में तुलसी स्मारक भवन भी बना है। इसी स्थान पर ही तुलसीदास जी ने 16वीं सदी में रामचरितमानस की रचना की थी। तुलसी स्मारक भवन महान संत-कवि गोस्वामी तुलसीदास जी को समर्पित है। नियमित रूप से यहां प्रार्थना, भक्ति संगीत और धार्मिक प्रवचन आयोजित होते हैं। परिसर में स्थित अयोध्या शोध संस्थान के पास गोस्वामी तुलसीदास पर साहित्यिक रचनाओं का एक बड़ा भंडार है। संस्थान द्वारा तुलसी स्मारक सभागार में शाम को 6 से 9 बजे तक रामलीला का मंचन प्रमुख आकर्षण है।

हंसना मना है

एक बार एक अंग्रेज ने इंडियन से कहा-'आपके यहां किसी गोरा, किसी काला होता है। ऐसा क्यों?' भारतीय ने कहा-'गधे एक ही रंग के होते हैं तथा घोड़े रंग-बिरंगे होते हैं।'

पति-'आज सवेरे शेव करने के पश्चात् मैं महसूस कर रहा था कि मेरी उम्र के दस साल कम हो गए।' पत्नी-'क्या कहते हो! अगर इस स्पीड से प्रतिदिन आयु कम होती चली गई, तो एक हफ्ते में आप गायब ही हो जाओगे।'

श्रीमान् जी का थोड़ा लड़का अपनी आयु के हिसाब से कुछ अधिक ही होशियार था। एक दिन घर आया तो उसके हाथ में लाइब्रेरी को एक पुस्तक थी-'बच्चों का पालन-पोषण।' उसकी मां ने आश्चर्य से पूछा-'क्यों मुन्ने, इस पुस्तक का आप क्या करोगे? मुन्ने ने जबाब दिया-'मैं इसे पढ़कर ये जानना चाहता हूं कि मेरा पालन-पोषण उचित ढंग से किया जा रहा है की नहीं।'

पत्नी-'में तुमसे जो भी कहती हूं आप एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हो।' पति-'किन्तु मैं जो कहता हूं आप उसे दोनों कानों से सुनकर मुंह से निकाल देती हो।'

सुरेश-'अरे प्रकाश! हाथ में चोट कैसे लगी।' प्रकाश-'मैंने गाय के दांत गिनने के लिए उसके मुंह में हाथ डाला। उसने मेरी उंगली गिनने के लिए मुंह बन्द कर लिया।'

कहानी | चतुर मुर्गा

एक घने जंगल में एक पेड़ पर मुर्गा रहा करता था। वह रोज सुबह सूरज निकलने से पहले उठ जाता था। उठने के बाद वह जंगल में दाना-पानी चुगने के लिए चला जाता था और शाम होने से पहले वापस लौट आता था। उसी जंगल में एक चालाक लोमड़ी भी रहती थी। वह रोज मुर्गे को देखती और सोचती, कितना बड़ा और बढ़िया मुर्गा है। अगर यह मेरे हाथ लग जाए, तो कितना स्वादिष्ट भोजन बन सकता है, लेकिन मुर्गा कभी भी उस लोमड़ी के हाथ नहीं आता था। एक दिन मुर्गे को पकड़ने के लिए लोमड़ी ने एक तरकीब निकाली। वह उस पेड़ के पास गई, जहां मुर्गा रहता था और कहने लगी, अरे ओ मुर्गे भाई! क्या तुम्हें खुशखबरी मिली? जंगल के राजा और हमारे बड़ों ने मिलकर सारे लड़ाई-झगड़े खत्म करने का फैसला किया है। आज से कोई जानवर किसी दूसरे जानवर को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। इसी बात पर आओ, नीचे आओ। हम गले लगकर एक दूसरे को बधाई दें। लोमड़ी की यह बात सुनकर मुर्गे ने मुस्कुराते हुए उसकी तरफ देखा और कहा, अरे वाह लोमड़ी बहन, ये तो बहुत अच्छी खबर है। पीछे देखो, शायद इसलिए हमसे मिलने हमारे कुछ और दोस्त भी आ रहे हैं। लोमड़ी ने हैरान हो कर पूछा, दोस्त? कौन दोस्त? मुर्गे ने कहा, अरे वो शिकारी कुत्ते, वो भी अब हमारे दोस्त हैं न? कुत्तों का नाम सुनते ही, लोमड़ी ने न आव देखा न ताव और उनके आने की उल्टी दिशा में दौड़ पड़ी। मुर्गे ने हंसते हुए लोमड़ी से कहा, अरे-अरे लोमड़ी बहन, कहां भाग रही हो? अब तो हम सब दोस्त हैं न? हां-हां दोस्त तो हैं, लेकिन शायद शिकारी कुत्तों को अभी तक यह खबर नहीं मिली है, यह कहते हुए लोमड़ी वहां से भाग निकली और मुर्गे की सूझबूझ की वजह से उसकी जान बच गई।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है।

वृषभ कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें।

मिथुन भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा।

कर्क रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है।

कन्या सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

वृश्चिक जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

मकर डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

मीन कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे लगने लगा था कि मैं अब अच्छी फिल्में नहीं बना पाऊंगा : शाहरुख

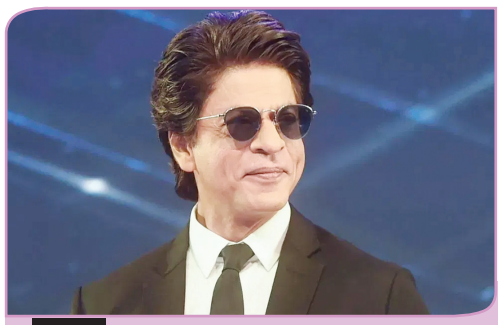

साल 2023 शाहरुख खान के लिए बहुत ही खास रहा है। लगभग चार साल के लंबे अंतराल के बाद अभिनेता ने लगातार तीन ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। अभिनेता की फिल्म पठान और जवान ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। अब हाल ही में, शाहरुख ने फैंस के शुक्रिया अदा किया है। अभिनेता ने अपनी फिल्मों की सफलता का श्रेय भी फैंस को दिया है। इसके साथ ही उन्होंने उस वक्त को याद किया है, जब उनकी फिल्में लगातार फ्लॉप हो रही थीं। हाल ही में, शाहरुख ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर अपने फैन क्लब ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें किंग खान ने कहा, क्योंकि मैं 33 साल से काम कर रहा हूं और आप इतना बड़ा गैप लेते हैं। आम तौर पर आप थोड़ा नर्वस महसूस करते हैं और आपको लगता है कि अरे यार! मुझे उम्मीद है कि मुझे फिल्म सही मिली है। शाहरुख ने आगे लिखा, पहले मेरी कुछ फिल्में थीं जो इतनी अच्छी नहीं गईं तो मुझे भी लगने लगा कि मैं अच्छी फिल्में अब बना नहीं रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है, मेरी फिल्मों से ज्यादा, एक प्यार था, जो लोगों का पठान के लिए, जवान के लिए और डंकी के लिए... इस पूरे देश और इस देश के बाहर के लोगों ने दिया है। मुझे ऐसा लगता है कि फैंस ने मुझे फिल्मों से ज्यादा अपने दिल में ले लिया है। शाहरुख ने अपने फैंस की प्रशंसा करते हुए लिखा, मेरे फैंस का कहना था कि अरे यार, 4 साल के लिए मत जाओ। 2- 4 महीने ठीक हैं। इसलिए मैं आप सबका, दर्शकों का और पूरी दुनिया का बहुत-बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे यह अहसास कराया कि जो मैं करता हूं वो ठीक करता हूं और मुझे वो बार-बार करते रहना चाहिए। शाहरुख खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता हाल ही में फिल्म डंकी में नजर आए। इस फिल्म में शाहरुख खान के अलावा बोमन ईरानी, तापसी पन्नू, विक्की कौशल, विक्रम कोचर और अनिल ग्रोवर जैसे सितारे भी अहम भूमिका में हैं।

शीना बोरा मर्डर केस के दबे पन्ने खोलेगी

द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी बरीड ट्रुथ

साल 2012 में शीना बोरा के मर्डर केस ने पूरे देश में सनसनी पैदा कर दी थी जिसके लिए साल 2015 में इंद्राणी मुखर्जी जेल गई थीं। इस हत्याकांड ने हर तरफ हलचल पैदा कर दी थी। इसके चलते इंद्राणी को मर्डर केस में 6 साल 9 महीने जेल में रहना पड़ा। अब नेटफ्लिक्स ने इस पर डॉक्यूमेंट्री बनाई है जो जल्द ही ओटीटी पर स्ट्रीम होने वाली है।

25 साल की शीना बोरा, इंद्राणी मुखर्जी की बेटी थी। शीना बोरा की हत्या के तीन साल बाद इंद्राणी और उनके ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया था। इस मर्डर केस को 12 साल बीत चुके हैं, लेकिन अभी भी इसकी गुत्थी नहीं सुलझाई नहीं जा सकी है। अब इस मर्डर केस पर डॉक्यूमेंट्री का ऐलान हुआ है। हाल ही में, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने शीना बोरा केस पर डॉक्यूमेंट्री की अनाउंसमेंट की है, जिससे लोग इस कहानी को करीब से जान पाएंगे।

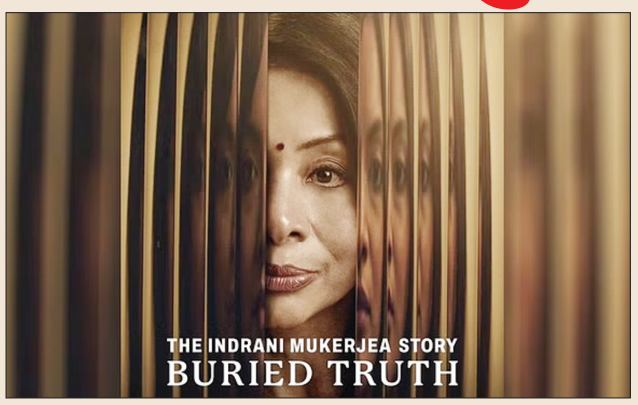

नेटफ्लिक्स पर आ रही शीना बोरा मर्डर केस की डॉक्यू सीरीज का नाम द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी

बरीड ट्रुथ है। 29 जनवरी को नेटफ्लिक्स ने डॉक्यूमेंट्री के पोस्टर के साथ इसकी घोषणा की। पोस्टर में इंद्राणी का आधा चेहरा दिखाई दे रहा है। इसे शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, एक सनसनीखेज स्कैंडल जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया, जिसके केंद्र में एक परिवार के सबसे गहरे राज थे। यह सीरीज 23 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

क्या है शीना बोरा मर्डर केस की कहानी

शाना लेवी और उराज बहल के निर्देशन में बन रही डॉक्यू-सीरीज में इंद्राणी मुखर्जी, उनके बच्चे विधि मुखर्जी और मिखाइल बोरा, अनुभवी पत्रकार और वकील नजर आने वाले हैं जो अपने अपने अनुभव शेयर करेंगे। सीरीज में कई ऐसे राज सामने आएंगे बारे में आज तक चर्चा नहीं की गई। बता दें कि साल 2012 में मुंबई में शीना बोरा की हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में तीन साल तक कोई सनगमी नहीं हुई थी। फिर 2015 में शीना की मां इंद्राणी मुखर्जी को गिरफ्तार कर लिया गया था। इंद्राणी की दो शादियां थीं। पहली शादी से उन्हें शीना बोरा थीं और दूसरे पति पीटर मुखर्जी थी, जो टीवी इंडस्ट्री के जाना-माना नाम थे।

हॉलीवुड फिल्मों से आगे निकली ऋतिक रोशन की फाइटर

पठान के बाद डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद का जलवा एक बार फिर से नजर आ रहा है। सिद्धार्थ की नई फिल्म, ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर फाइटर एक बार फिर से धमाके कर रही है। पहले दिन उम्मीद से धीमी शुरुआत करने वाली फाइटर ने दूसरे दिन से ऐसी रफ्तार पकड़ी कि इसका वीकेंड कलेक्शन बहुत दमदार हो गया।

भारत में ऋतिक की फिल्म ने पहले वीकेंड में 120 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन कर लिया है। गुरुवार को रिलीज हुई फाइटर ने पहले दिन की धीमी शुरुआत के बाद, शुक्रवार से दमदार कलेक्शन करना शुरू किया और अब तक बॉक्स ऑफिस पर चार ठोस

कमाई वाले दिन देख चुकी है। ऋतिक-दीपिका की फिल्म सिर्फ भारत में ही कमाल नहीं कर रही, बल्कि इंटरनेशनल मार्किट में भी फिल्म ने एक बड़ा कमाल किया है। बीते वीकेंड, ऋतिक की फिल्म वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर दुनिया की सब्से बड़ी फिल्म भी रही। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर ने पहले वीकेंड में हॉलीवुड की कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म बीते वीकेंड की सबसे बड़ी फिल्म रही। कॉमस्कोर का डाटा कहता है कि फाइटर ने रविवार को बीते वीकेंड में, इंटरनेशनल मार्किट से 25 मिलियन डॉलर्स से ज्यादा बिजनेस किया। यानी वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 208 करोड़ रुपये से ज्यादा ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ने कमाई का ये शानदार आंकड़ा मात्र चार दिनों में पार कर लिया है। फाइटर ने बीते वीकेंड में कई चर्चित हॉलीवुड फिल्मों को पीछे छोड़कर टॉप पर जगह बनाई। इसने इंटरनेशनल ऑडियंस को भा रही रोमांटिक-कॉमेडी एनीवन बट यू (19 मिलियन डॉलर) और एक्शन स्टार जेसन स्टेथम से की द बीकीपर (18 मिलियन डॉलर) से ज्यादा कलेक्शन वीकेंड में अपने नाम किया।

अजब-गजब | भारत के इस गांव का है अपना संविधान

इस गांव में नहीं चलता इण्डियन कानून

कपिल/ शिमला। वैसे तो पूरा देश ही भारतीय संविधान और कानून के दायरे में आता है, लेकिन भारत में एक ऐसा गांव भी है, जहां देश का कानून लागू नहीं होता है। इस गांव का अपना अलग संविधान है। यहां के लोगों की अपनी न्यायपालिका ,व्यवस्थापिका और कार्यपालिका भी है। गांव के लोगों की अपनी संसद है, जहां उनके द्वारा चयनित सदस्य होते हैं। ये गांव किसी पड़ोसी देश की सीमा पर नहीं आता, ना ही केंद्र शासित प्रदेश के अंतर्गत आता है। यह गांव हिमाचल प्रदेश में स्थित है। इस गांव का नाम मलाणा है, जो कि हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के दुर्गम इलाके में स्थित है। यहां पहुंचने के लिए कुल्लू से 45 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है। इसके लिए मणिकर्ण रूट से कसोल से होते हुए मलाणा हाइड्रोलेक्ट्रिक प्लांट के रास्ते जा सकते हैं। यहां पहुंचना आसान नहीं है। इस गांव के लिए हिमाचल परिवहन की सिर्फ एक बस ही जाती है, जो कुल्लू से दोपहर तीन बजे रवाना होती है।

भारत का अंग होने के बाद भी हिमाचल प्रदेश के इस गांव की खुद की न्यायपालिका है। गांव की अपनी संसद है, जिसमें दो सदन है-पहली ज्योष्ठांग (ऊपरी सदन) और दूसरी कनिष्ठांग (निचला सदन)। ज्येष्ठांग में कुल 11 सदस्य हैं, इनमें से तीन कारदार, गुरु व पुजारी होते हैं, जो कि स्थाई सदस्य है। बाकि के आठ सदस्यों को ग्रामीण मतदान करके चयनित करते हैं। कनिष्ठांग सदन में गांव के हर घर से एक सदस्य प्रतिनिधि होता है। संसद भवन के तौर पर यहां एक ऐतिहासिक चौपाल है, जहां सारे विवादों के फैसले होते हैं।

कई नियमों में से एक ये है कि बाहर से आने वाले लोग गांव में ठहर नहीं सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद यात्री मलाणा गांव आते हैं और गांव के बाहर ही टेंट लगाकर रुकते है। गांव के कुछ नियम काफी अजीब हैं। इसमें से एक नियम है कि गांव की दीवार को छूने की मनाही है। गांव की बाहरी दीवार को कोई भी बाहर से आने वाला व्यक्ति छू नहीं सकता और न ही पार कर सकता है। अगर वह नियम तोड़ते हैं तो उन्हें जुर्माना देना पड़ सकता है। पर्यटकों को गांव के बाहर ही टेंट में ठहरना होता है, ताकि वह गांव की दीवार तक को छू न सकें, मलाणा के लोग कनाशी नाम की भाषा बोलते हैं, जो बेहद ही रहस्यमय है। वो इसे एक पवित्र जुबान मानते हैं। इसकी खास बात ये है कि ये भाषा मलाणा के अलावा दुनिया में कहीं और नहीं बोली जाती है। एएफपी हरकोर्ट, गांव का दौरा करने वाले पहले लोगों में से थे, जिन्होंने अपनी पुस्तक-द हिमालयन डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ कूलू, लाहौल, एंड स्पीति- में हरकोर्ट ने मलाणा के बारे में लिखते हुए कहा है कि यह शायद कूलू (कुल्लू) में सबसे बड़ी जिज्ञासाओं में से एक है, क्योंकि निवासी पूरी तरह से अपने तक ही सीमित रहते हैं, न तो लोगों के साथ खाना खाते हैं और न ही उनके साथ विवाह करते हैं। किसी अन्य गांव के और ऐसी भाषा बोलते हैं जिसे उनके अलावा कोई नहीं समझ सकता है। उनका कहना है कि मलाणा के लोग न तो जानते हैं कि उनका गांव पहली बार कब बसा था और न ही वे खुद कहां से आए थे। इस पुस्तक में हरकोर्ट ने कनाशी की एक छोटी शब्दावली भी छोड़ी थी।

किलर क्वीन कहलाता है ये अनोखा पक्षी पलक झपकते ही करता है सांपों का शिकार

सेक्रेटरी बर्ड दुनिया का सबसे लंबा रैप्टर पक्षी है, जो जहरीले सांपों का शिकार करने में माहिर होता है, इसलिए यह 'किलर क्वीन' कहलाता है। आपको जानकर यह हैरानी होगी कि इसका कद इंसानों जितना लंबा होता है, जिसके पैर लंबे और काफी ताकतवर होते हैं। यह एक शिकारी पक्षी है, जो पलक झपकते ही सांपों को ढेर कर देता है। इसके सांपों को मारने का तरीका हैरान करता है। आइए इस पक्षी के बारे में जानते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर इस पक्षी की तस्वीरों को ग्रद्धद्वद्यक्क्षद्मद्व नाम के यूजर ने शेयर की हैं। साथ ही कैप्शन में लिखा गया है कि सेक्रेटरी बर्ड एक सुंदर पक्षी होता है, जो सांपों को खाने के लिए भूखा रहता है। सेक्रेटरी बर्ड अफ्रीका का मूल निवासी है और घास के मैदानों में रहता है। ये पक्षी उन इलाकों में अधिक पाए जाते हैं, जहां अधिक संख्या में सांप होते हैं। हालांकि ये पक्षी अपना अधिकांश समय जमीन पर शिकार करने में बिताते हैं, लेकिन ये उड़ने में भी अच्छे होते हैं। ये पक्षी बबूल के पेड़ों पर घोंसला बनाते हैं, जहां वे रात भर आराम करते हैं। इन पक्षियों का जीवनकाल औसतन 10-15 साल होता है। सेक्रेटरी बर्ड की ऊंचाई 4.1 से 4.9 फीट होती है, जो लगभग इंसानों की औसत लंबाई के बराबर है। इसके पंखों का फैलाव 6.9 फीट होता है। इनका वजन 5 से 9.4 पाउंड तक होता है। इन पक्षियों के पैर किसी भी शिकारी पक्षी की तुलना में सबसे लंबे होते हैं। इनका सांपों को मारने का तरीका हैरान करता है, क्योंकि ये सांप के सिर पर इतनी तेजी से लात मारते हैं कि सांप पलभर में ही ढेर हो जाता है। ये पक्षी सांप के काटने से लगभग 100 तेजी से किक मार सकते हैं। सेक्रेटरी पक्षी आमतौर पर सांपों का शिकार करते हैं, लेकिन ये छिपकलियों, टिड्डों और चूहों को भी खाते हैं।

बीजेपी देश को सच बताने से डरती है : राहुल गांधी

» बोले- थोड़े दबाव में ही नीतीश यू-टर्न ले लेते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नीतीश कुमार के महागठबंधन छोड़ने और एनडीए से हाथ मिलाने के कुछ दिनों बाद, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नीतीश कुमार के दलबदल पर अपनी चुप्पी तोड़ी। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार जाति सर्वेक्षण के कारण नीतीश कुमार इंडिया ब्लॉक से बाहर हो गए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि थोड़ा सा दबाव डाला जाता है, और वह (नीतीश कुमार) यू-टर्न ले लेते हैं। अपना हमला जारी रखते हुए राहुल ने कहा कि नीतीश जी कहां फंसे? हमने नीतीश जी से कहा था कि आपको बिहार में जातिगत जनगणना करवानी होगी, हम आपको छूट नहीं दे सकते। लेकिन बीजेपी नहीं चाहती थी कि बिहार में जातिगत जनगणना हो, क्योंकि वे देश को सच बताने से डरते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा नहीं चाहती कि जनता का ध्यान सामाजिक न्याय पर जाए। इसलिए भाजपा ने नीतीश जी को बीच से निकलने का रास्ता दे दिया और नीतीश जी उस रास्ते पर निकल गए। नीतीश जी यहां फंस गए। उन्होंने लोगों से कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री के बारे में ये चुटकुला वायरल है। आपने सुना क्या? इससे पहले राहुल गांधी ने बिहार के पूर्णिया में किसान साथियों से बात कर उनकी समस्याएं सुनीं। किसान हमारे देश की रीढ़ हैं, लेकिन पिछले 10 साल में मोदी सरकार ने उनके साथ सिर्फ अन्याय और अत्याचार किया है। देश के अन्नदाताओं को न्याय दिलाना ही हमारा लक्ष्य है, हम अपने लक्ष्य को जरूर पूरा करेंगे। इससे पहले सूत्रों ने कहा, नीतीश 13 जनवरी को विपक्ष छोड़ने का मन बना लिया था, जिस दिन वे एक वीडियो बैठक कर रहे थे। राहुल गांधी से नाराज होकर वह 10 मिनट पहले ही बैठक छोड़कर चले गए थे। सूत्रों ने कहा कि जिस बात ने उन्हें अंतिम कदम तक पहुंचाया वह राहुल गांधी की प्रतिक्रिया थी कि वह इंडिया ब्लॉक के समन्वयक के पद पर ममता बनर्जी से परामर्श करेंगे। इसके कुछ देर बाद ही नेताओं ने उन्हें संयोजक चुन लिया। लेकिन सूत्रों ने कहा कि नाराज कुमार ने यह पद अस्वीकार कर दिया और कहा कि इसे लालू यादव को दिया जा सकता है।

नीतीश पर यूं कसा तंज

राहुल गांधी ने नीतीश कुमार को लेकर एक चुटकुला भी सुनाया। उन्होंने कहा, अभी जब अखिलेश जी का भाषण चल रहा था तो बघेल जी ने मुझे चुटकुला सुनाया। आपके राज्य के सीएम के बारे में चुटकुला है। आपके मुख्यमंत्री गवर्नर के यहां शपथ ग्रहण के लिए गए। बड़ा धूमधाम था। वहां बीजेपी के नेता, गवर्नर साहब बैठे थे। उन्होंने आगे कहा, मुख्यमंत्री पद और मंत्री पद की शपथ ली जाती है। तभी वह सीएम हाउस के लिए निकल जाते हैं। गाड़ी में पता चलता है कि वह अपना शॉल गवर्नर के घर छोड़ आए हैं। इस पर वह ड्राइवर से गवर्नर के घर वापस चलने को कहते हैं। जैसे ही गवर्नर के पास जाते हैं और दरवाजा खुलता है तो गवर्नर कहते हैं, अरे, इतनी जल्दी आ गए?। ऐसी हालत है बिहार की।

महागठबंधन को नीतीश कुमार की जरूरत नहीं

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आगे कहा कि महागठबंधन बिहार में सामाजिक न्याय के लिए लड़ाई जारी रखेगा और गठबंधन को इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि दलितों और पिछड़े वर्गों को देश के सभी क्षेत्रों में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलता है। राहुल गांधी ने आगे कहा, महागठबंधन बिहार में सामाजिक न्याय के लिए लड़ेगा। हमें उस उद्देश्य के लिए नीतीश कुमार की आवश्यकता नहीं है, हमें उनकी बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है। कांग्रेस महागठबंधन का हिस्सा है, जिसमें राजद और वामपंथी दल भी शामिल हैं। कांग्रेस ने जाति जनगणना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश को दलितों, ओबीसी और अन्य लोगों की सटीक जनसंख्या निर्धारित करने के लिए जाति-आधारित जनगणना की आवश्यकता है।

लोगों को भड़का रही है बीजेपी जेडीएस : सीएम सिद्धारमैया

» हनुमान ध्वज लगाने को लेकर हुआ था बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक में हनुमान ध्वज हटाने के बाद हुए बवाल के बाद सियासत भी तेज हो गई है। जहां बीजेपी ने कांग्रेस सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाया है वहीं कांग्रेस ने भी पलटवार किया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विपक्षी भाजपा और जद(एस) पर आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए झंडा हटाने के मुद्दे पर लोगों को भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

वहीं झंडे को हटाने के बाद स्थानीय लोगों ने मांग की है कि झंडा फिर से लगाया जाना चाहिए। स्थानीय लोगों की इस मांग के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हालांकि गांव में स्थिति बेहद गंभीर और तनावपूर्ण बनी हुई है। इस मामले पर राजनीतिक दल बयानबाजी भी कर रहे है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जैसे ही मार्च मांड्या शहर पहुंचा, पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया क्योंकि कुछ प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और अन्य कांग्रेस नेताओं की तस्वीर वाले एक पोस्टर को निशाना बनाने की कोशिश की थी। एहतियात के तौर पर पुलिस बल की एक बड़ी टुकड़ी तैनात की गई है, क्योंकि केरागोडु और आसपास के गांवों के लोग, भाजपा, जद(एस) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और अन्य संगठनों के कार्यकर्ताओं ने झंडे को हटाने का विरोध जारी रखा और मांग की कि इसे एक बार फिर फहराया जाए। कर्नाटक में मांड्या के पास केरागोडु गांव में इन दिनों बेहद गंभीर स्थिति बनी हुई है। गांव में लगाए गए 108 फीट बड़े झंडे को हटाने के संबंध में विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। भगवा रंग के इस झंडे पर हनुमान जी का चित्र बना है। इस झंडे को हटाने के बाद लगातार विवाद हो रहा है।

कोई भी आदेश अलमारी में न रखें : सुप्रीम कोर्ट

» जमू कश्मीर में इंटरनेट प्रतिबंध के मामले की हुई सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर में इंटरनेट प्रतिबंध के मामले को लेकर सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू- कश्मीर प्रशासन को इंटरनेट बैन से संबंधित समीक्षा आदेश प्रकाशित करने के निर्देश दिए हैं, सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासन से कहा कि ऐसे आदेश अलमारी में नहीं रखे जाने चाहिए। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र के वकील को निर्देश लेने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से जानना चाहा कि क्या इंटरनेट प्रतिबंध के संबंध में समीक्षा आदेश सुप्रीम कोर्ट के अनुराधा भसीन मामले में फैसले के तहत सार्वजनिक किए गए या नहीं।

जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने कहा कि उन आदेशों को अलमारी में नहीं रखा जाना चाहिए। पीठ ने केंद्र शासित प्रदेश की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज की इस दलील को खारिज कर दिया कि अदालत के समक्ष तत्काल याचिका में संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करते समय लगाए गए ऐसे प्रतिबंध से संबंधित विचार-विमर्श के प्रकाशन की मांग की गई है। नटराज ने कहा कि याचिकाकर्ता की याचिका केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में इंटरनेट प्रतिबंधों से संबंधित समीक्षा आदेशों के संबंध में विचार-विमर्श की जानकारी प्रकाशित करने के लिए है।

विचार-विमर्श भूल जाइये, आप आदेश प्रकाशित करें

इस पर पीठ ने नटराज से कहा कि विचार-विमर्श के बारे में भूल जाइये। आप आदेश प्रकाशित करें। क्या आप यह बयान दे रहे हैं कि समीक्षा आदेश प्रकाशित किये जायेंगे? नटराज ने कहा कि उन्हें इस मामले में निर्देश प्राप्त करने की जरूरत है। दलीलें सुनने के बाद पीठ ने अपने आदेश में कहा कि विचार-विमर्श को प्रकाशित करना आवश्यक नहीं हो सकता है। हालांकि समीक्षा पारित करने वाले आदेशों को प्रकाशित करना आवश्यक होगा। कोर्ट ने नटराज को निर्देश लेने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रीती सिंह पत्नी मनोज सिंह, निवासिनी– पठरी गंगी टिकर कुशीनगर ने एक किता प्लाट, खसरा नं.– 1022, रकबा–1201 वर्गफीट, राजस्व ग्राम – भरवारा, परगना, तहसील व जिला लखनऊ, तबस्सुम बानो पत्नी मो. याकूब अंसारी से दिनांक 09.10.2017, क्रमांक–12170, उप–चिबंधक–द्वितीय, लखनऊ, को क्रय किया था, तथा तबस्सुम बानो पत्नी मो. याकूब अंसारी ने उपरोक्त प्लाट पुष्पा देवी पत्नी भानु प्रताप सिंह से दिनांक 20.06.2012, क्रमांक–10821, उप–निबंधक–द्वितीय, लखनऊ, को क्रय किया था।
तबस्सुम बानो पत्नी मो. याकूब अंसारी ने पुष्पा देवी पत्नी भानु प्रताप सिंह, दिनांक 20.06.2012, बही स. 1, जिल्द नं–12670, पृष्ठ स. 147/176, क्रमांक–10821, उप–निबंधक–द्वितीय, लखनऊ को क्रय किया था, जो कही खो गयी हैं एवं प्रीती सिंह पत्नी मनोज सिंह उपरोक्त प्लाट को सुमन तिवारी पत्नी दिना नाथ तिवारी, निवासिनी– बांसी, सुल्तानपुर सिटी सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश को विक्रय कर रही है। एवं क्रेता पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग सोसाइटी फाइनेंस लिमिटेड, शाखा– लखनऊ, से गृह ऋण ले रही है, यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 14 दिन के अंदर निम्न से संपर्क करें।

मृगेन्द्र बहादुर सिंह
(अधिवक्ता)
पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग
सोसाइटी फाइनेंस लिमिटेड
आफिसः ई.डब्लू.एस. 209–210
सेक्टर जी, जनकीपुरम, लखनऊ
मो0. 6394317537

मुशीर के दम पर अंडर-19 टीम की धाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड मैच में मुशीर खान ने 131 रनों की शानदार और यादगार पारी खेली। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 6 मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 295 रन बनाए। सरफराज खान के भाई मुशीर खान इस अंडर-19 वर्ल्ड कप में बारतीय स्क्वॉड का हिस्सा हैं।

आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप में इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड मैच में मुशीर खान ने 131 रनों की शानदार और यादगार पारी खेली। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 6 मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 295 रन बनाए। सरफराज खान के भाई मुशीर खान इस अंडर-19 वर्ल्ड कप में बारतीय स्क्वॉड का हिस्सा हैं। मुशीर के भाई सरफराज का एक दिन पहले ही इंडियन टेस्ट स्क्वॉड में सिलेक्शन हुआ है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट मैच के दौरान केएल राहुल और रविंद्र जडेजा चोटिल हो गए, जिसके चलते दोनों विशाखापट्टनम में 2 फरवरी से होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। केएल राहुल की जगह भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में सरफराज खान को चुना गया है। दो दिन के अंदर इस तरह से खान परिवार को दो बड़ी खुशखबरी मिली हैं।

क्रिकेटर मयंक ने साजिश का लगाया आरोप

कर्नाटक के कप्तान और लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को नयी दिल्ली के लिए उड़ान भरने को तैयार विमान में बीमार पड़ने के बाद यहां स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना ने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है। मयंक ने किसी साजिश का आरोप लगाते हुए पुलिस में एक आधिकारिक शिकायत दर्ज करायी है। उन्होंने पानी समझकर एक पाउच से एक पेय पदार्थ पीया था जो इंडिगो एयरलाइन के विमान में उनकी सीट पर रखा था। इसे पीने के बाद वे बीमार पड़ गए। माना जाता है कि उनकी हालत अब खतरे से बाहर है। मयंक ने अपने प्रबंधक के जरिए पुलिस में एक औपचारिक शिकायत दर्ज करायी है। राज्य स्वास्थ्य सचिव किरन गिट्टे ने कहा, "पुलिस ने उनकी शिकायत दर्ज कर ली है और हम मामले की जांच करेंगे। उनके प्रबंधक के अनुसार वह कल बेंगलुरु जाएंगे और इस बीच अगरतला में जो भी अच्छा इलाज होगा, हम उन्हें उपलब्ध कराएंगे।

भाजपा वोट के लिए लोगों को धमका रही : ममता

» बोलीं- बीजेपी को वोट न देने वालों के घर ईडी व सीबीआई जाएगी

» जब तक जीवित हूं, बंगाल में सीएए लागू नहीं होने दूंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायगंज। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह लोगों को धमकी दे रही है कि अगर उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव में उसे वोट नहीं दिया तो उनके घर केंद्रीय जांच एजेंसियों को भेज दिया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कूच बिहार में स्थानीय लोगों, विशेषकर राजबोंग्शियों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि उनके नाम मतदाता सूची में हों ताकि वे संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) से 'खुद को बचा' सकें।

वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले सीएए का मुद्दा उठाने के लिए भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि वह अपने जीवनकाल में राज्य में इसे लागू नहीं होने देंगी। उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लाभ लेने के लिये आगामी चुनावों से पहले नागरिकता (संशोधन) अधिनियम यानी सीएए का मुद्दा उठाया है। बनर्जी ने केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शांतनु ठाकुर के हालिया दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही है। ठाकुर ने कहा था कि पूरे देश में एक सप्ताह के अंदर सीएए लागू किया जाएगा। रविवार को दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप में एक जनसभा के दौरान दिए गए ठाकुर के बयान ने विवादास्पद कानून को लागू किए जाने को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

चार साल से क्या कर रहे थे : जयराम रमेश

वहीं सीएएम के मामले कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर के बयान पर कहा कि यह चुनावी जुमला के अलावा कुछ नहीं है। अगर वे गंभीर थे तो चार साल में सीएए के नियम क्यों नहीं बनाए। मोदी सरकार कानून को बनाकर दोनो सदनों में पास करवा लिया था इसकेलिए नौ बार सदन से विस्तार भी मांगा गया। सरकार की तरफ से बार-बार कहा गया कि नियम नहीं बन पाएं है। इसलिए ऐसी स्थिती में सरकार की मंशा पर संदेह होता है कि यह केवल चुनावी हथकंडा है।

लद्दाख में एलएसी पर हुई चीनी सैनिकों व चरवाहों में तीखी झड़प

» बड़ी हिंसा टली, सेना ने भी की मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लद्दाख में भेड़ चरा रहे चरवाहों के एक गुट की एलएसी के पास चीनी सैनिकों संग बहस हो गई। दरअसल चीनी सैनिक उन्हें भेड़ चराने से रोकने की कोशिश कर रहे थे, जिसके बाद चरवाहों ने बहुत ही बहादुरी से इन सैनिकों का सामना किया। चरवाहों का समूह बहुत ही बहादुरी से चीनी सैनिकों के सामने खड़ा हो गया और दावा किया कि वह अपने क्षेत्र में हैं। बता दें कि गलवान में साल 2020 में सैनिकों के बीच हुए संघर्ष के बाद से स्थानीय चरवाहों ने इस क्षेत्र में जानवरों को चराना बंद कर दिया था।

सामने आए वीडियो में चीनी सैनिकों संग बहस कर रहे चरवाहों का दावा है कि वह वे भारतीय क्षेत्र में हैं, उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है । भारत और चीनी क्षेत्र को अलग करने वाले एलएसी पर लंबे समय से दोनों सेनाओं के बीच विवाद चल रहा है, कुछ मामलों में हिंसक झड़प भी देखने को मिली हैं। हालांकि इस घटना में हिंसा टल गई। चुशूल के पार्षद कोंचोक स्टैनजिन ने स्थानीय चरवाहों की सराहना की और उनका समर्थन करने के लिए भारतीय सेना की भी तारीफ की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पूर्वी लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्रों में पैंगोंग के उत्तरी तट पर चरवाहों, खानाबदोशों में अपने अधिकारों का दावा करने की सुविधा देने में फायरफ्यूरीकॉर्प्स आईए द्वारा किए गए पॉजिटिव इंप्रैक्ट देखना खुशी की बात है। मैं ऐसे मजबूत नागरिक-सैन्य संबंधों और सीमावर्ती क्षेत्र की आबादी के हितों की देखभाल के लिए भारतीयसेना को धन्यवाद देना चाहता हूं।

नीतीश की नई सरकार 10 फरवरी को हासिल करेगी विश्वास मत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पिछली राजग सरकार की तरह विधानसभा अध्यक्ष का पद भाजपा अपने पास ही रखेगी। सूत्रों ने बताया कि इस पद के लिए भाजपा में जिन नामों पर विचार किया जा रहा है उनमें नंद किशोर यादव और अमरेंद्र प्रताप सिंह भी शामिल हैं। संसदीय कार्य विभाग की जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि सरकार 10 फरवरी को विधानमंडल के दोनों सदनों में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर के पारंपरिक संबोधन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई राजग सरकार विश्वासमत हासिल करेगी।

जदयू अध्यक्ष कुमार ने नाटकीय उलटफेर के बाद को रिकॉर्ड नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने नाता तोड़कर अपने पुराने सहयोगी भाजपा के साथ नई सरकार बनाई जिससे उन्होंने दो साल पहले नाता तोड़ा था। अधिसूचना में कहा गया है कि आगामी सत्र में कुल 12 कार्य दिवस होंगे और राज्य का बजट 12 फरवरी को पेश किया जाएगा।

मंदिर कोई पिकनिक स्पॉट नहीं : हाईकोर्ट

» मद्रास की अदालत ने कहा- ध्वजस्तंभ से आगे गैर-हिंदू नहीं जा सकते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के पलानी मंदिर से मामले में मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि ध्वजस्तंभ से आगे गैर-हिंदुओं को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती। मद्रास उच्च न्यायालय ने मंदिर के प्रवेश द्वार पर बोर्ड लगाने का निर्देश भी दिया। राज्य सरकार को निर्देश के साथ-साथ अदालत ने मंदिर से जुड़े अधिकारियों को भी निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि रीति-रिवाजों और प्रथाओं के अनुसार मंदिर का रखरखाव होना चाहिए।

हाईकोर्ट ने कहा कि मंदिर संविधान के अनुच्छेद 15 के तहत नहीं आते। ऐसे में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर लगाए गए प्रतिबंध को अनुचित नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि मंदिर के प्रवेश द्वार पर लगे ध्वज-स्तंभ के पास, ध्वज-स्तंभ से परे गैर-हिंदुओं को प्रवेश की अनुमति नहीं लिखा हुआ बोर्ड लगाया जाना चाहिए। तमिलनाडु हाईकोर्ट की मदुरै पीठ में जस्टिस एस श्रीमथी ने यह आदेश पारित किया। उन्होंने कहा कि मंदिर कोई पिकनिक की जगह नहीं है, जहां बाहरी लोग या दूसरे धर्म के लोग भी जा सकें। इस आदेश से पहले मंदिर ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। कोर्ट ने अधिकारियों को मंदिर उत्सव के दौरान हटाए गए डिस्प्ले बोर्ड दोबारा लगाने के निर्देश दिए गए थे। फैसले में कहा कि ऐसी गतिविधियां हिंदुओं के मौलिक अधिकारों में हस्तक्षेप करती हैं। इसने मंदिरों की सुरक्षा करने और हिंदुओं के अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने के संवैधानिक अधिकारों को बनाए रखने के लिए मानव संसाधन और सीई विभाग के कर्तव्य को रेखांकित किया।

कश्मीर से लेकर यूपी तक ईडी की छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत पेपर्स लिमिटेड द्वारा बैंको के साथ 200 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में ईडी ने कई राज्यों में छापेमारी की है। जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम ने जम्मू कश्मीर ,पंजाब और यूपी में 9 जगहों पर छापेमारी की है। सितंबर, 2006 में शुरू भारत पेपर्स लिमिटेड (बीपीएल) भारत बॉक्स फैक्ट्री इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीबीएफआईएल) का एक सहयोगी है, जो जम्मू और लुधियाना में स्थित एक पेपर बोर्ड पैकेजिंग उद्योग है।

कंपनी के खिलाफ प्राथमिक आरोप यह है कि इसके निदेशकों ने कई बैंको के साथ लगभग 200 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी को अंजाम दिया. जानकारी के अनुसार, फर्जी कागजात के जरिए बैंको से लिए लोन को कहीं और डायवर्ट किया गया है। भारत पेपर्स लिमिटेड के निदेशक राजिंदर कुमार, परवीन कुमार, बलजिंदर सिंह, अनिल कुमार और अनिल कश्यप हैं।

यूपी के कई जिलों में बारिश के आसार

» धूप दे रही ठंड से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में मौसम एक बार फिर से बिगड़ गया है। मंगलवार को जहां प्रदेश के कई हिस्सों में चमकीली धूप निकलीं तो वहीं बुधवार के दिन की शुरुआत बादलों के साथ हुई। इन दो दिनों में प्रदेश का मौसम बीते दो दिनों में तेजी से बदला है। मौसम विभाग के मुताबिक आज से प्रदेश में गरज-चमक के साथ बारिश के आसार बन रहे हैं। चार फरवरी तक फिलहाल बूंदाबांदी-बौछारों के आसार जताए जा रहे हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बढ़ी है। इसके कारण पृथ्वी की सतह पर हवा का रुख बदला हुआ है, ज्यादातर इलाकों में गलन कम हुई है। एक के बाद एक दो पश्चिमी विक्षोभों का प्रभाव 31 जनवरी से एक फरवरी को दिखेगा। इस दौरान प्रदेश के कुछ हिस्सों में गरज-चमक और 30 से 40 किमी की रफ्तार से चलने वाली हवा के आसार हैं। वहीं रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बरसात होने की संभावना है।

लखनऊ में बदलेगा मौसम

राजधानी में मंगलवार को सुबह की शुरुआत तो हल्के कोहरे के साथ हुई पर गलन नहीं थी। दिन चढ़ने के साथ तेज खिली धूप में सर्दियों की तल्खी जाती रही। धूप इतनी तेज थी कि दिन का पारा 23..4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ का असर राजधानी पर दिखेगा, एक फरवरी को बूंदाबांदी व बौछारों के आसार हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।